Title: Regarding conducting the business of the Parliament in a more disciplined manner, especially during the Zero Hour.

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बड़ी नम्रता से एक बात आपके और सदन के सामने रखना चाहता हूं। मैं जो कुछ भी कहने जा रहा हूं इसका अर्थ किसी ने कुछ गलती की है, यह बताने का नहीं है, सदन की कार्यवाही अनलिस्टेड ऑवर्स में किस प्रकार से चले, इसके संबंध में है।

महोदय, यहां देखा गया है कि प्रश्न-काल और स्टेटमेंट होने के बाद कुछ महत्वपूर्ण वियों को सदस्यों को उठाने का मौका दिया जाता है। इस हाउस का कनवेंशन पहले से ऐसा रहा है कि जो मुख्य विरोधी पक्ष, विपक्ष है, उस पक्ष को पहले बोलने का समय दिया जाता है और दूसरे पक्ष को उसके बाद दिया जाता है।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hear him first. Do not be impatient like this.

श्री शिवराज वि.पाटील : श्रीमन्, जो नोटिस का मामला है, असल में इस रूल में नोटिस देने का कोई प्रयोजन नहीं है, जो काम बिना नोटिस के किया जाता है उसी को कुछ लोग जीरो ऑवर और कुछ अनलिस्टेड बिज़नेस ऑवर कहते हैं। यह माना जाता है कि जिस ने नोटिस दिया है, उसे बोलने का अधिकार है। असल में उस कुर्सी पर जो बैठते हैं उनका अधिकार है कि पहले किसे बुलाएं और बाद में किसे बुलाएं, उस प्रकार से चलना चाहिए। अगर उस प्रकार से नहीं चलेगा तो सदन में बैठे हुए हमारे

स्पीकर साहब, डिप्टी स्पीकर साहब या दूसरे चेयरमैन हों, उनकी भी अवमानना होती है। अगर ऐसे अवमानना होती रही तो सदन का काम अच्छे ढंग से नहीं चलेगा। हम प्रार्थना करेंगे, लेकिन आपसे नहीं करेंगे, क्योंकि आप इस पर कुछ बोलना नहीं चाहेंगे। कल आप यहां पर थे, इसलिए यह जिम्मेदारी हम आप पर नहीं रखते हैं। मैं समझता हूं कि इस सदन में यह कहा जाएगा कि इस काम को किस प्रकार से किया जएगा। हम तो यहां से कोआपरेट करने की कोशिश कर रहे हैं और उधर से भी कोआपरेशन की अपेक्षा करते हैं। हम भी कोआपरेशन देते हैं और वे भी देते हैं, मगर कभी-कभी ऐसा हो जाता है कि कोआपरेशन उनकी तरफ से नहीं मिलता और यहां पर एक ऐसी परिस्थिति बन जाती है कि जिसकी वजह से सदन की गरिमा कम हो जाती है तथा कुर्सी पर बैठने वाले हमारे पीठासीन अधिकारी की गरिमा भी कम हो जाती है।

हमारा नम्रता से सदन के माननीय सदस्यों से निवेदन है कि ऐसा न हो और उसके बारे में अगर कोई डायरेक्शन चेयर से मिल जाए तो काम करने में हमें सुविधा होगी, ऐसा हमें लगता है।

*Not Recorded.

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष जी, कांग्रेस पार्टी के जो डिप्टी लीडर हैं, उनसे इस बात पर मैं पूरी तरह सहमत हूं कि स्पीकर साहब सारे दल के नेताओं से या बिज़नेस एडवायज़री कमेटी में यह बात तय कर लें कि जीरो ऑवर में किस प्रकार से सदन को चलाया जाए, परन्तु मैं उनकी इस बात से सहमत नहीं हूं कि जीरो ऑवर में केवलâ€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have given him the floor. Please resume your seat.â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : उपाध्यक्ष महोदय, पहले ये माफी मांगे, उसके बाद इन्हें इजाज़त दें।â€¦(व्यवधान) They have no respect for the Chair. They have no respect for the House. They are habituated to this practice.â€¦(व्यवधान) चेयर से कोई रूलिंग दे तो उसकी रिस्पेक्ट होनी चाहिए।â€¦(व्यवधान)

श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी (देवरिया) : अगर दूसरी तरफ से माननीय सदस्य इस तरह से करेंगे तो ऐसे नहीं चलेगा।â€¦(व्यवधान) सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण बात उठाई गई है, उस पर चर्चा हो रही है। हम चाहते हैं कि उस पर शालीनता से चर्चा हो।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have given the floor to Shri Malhotra. Please do not disturb the House. Other Members have also given important notices.â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अलवी : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के पांच मंत्री विश्व हिन्दू परिद की मीटिंग में गए थे।â€¦(व्यवधान) ये लोग नहीं चाहते कि हाउस के अंदर यह मसला उठाया जाए, इसलिए इन्होंने चेयर की बेइज्जती की।â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let Shri Malhotra complete his submission, then I will give the floor to you.

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : महोदय, आप इन्हें बैठाएं तो मैं कुछ निवेदन करूं। â€¦(व्यवधान)

SHRI RASHID ALVI : They should apologise to the House first. Only then they should be allowed to speak during `Zero Hour'.

MR. DEPUTY-SPEAKER: You do not allow even me to speak.â€¦ (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have given the floor to a senior Member. Let him complete and if you want, I can give the floor to you also.â€¦ (*Interruptions*)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : पहले इन्हें बैठाएं, तब मैं बोल पाऊंगा।

SHRI RASHID ALVI : Sir, they should first apologise and then they may be allowed to speakâ€¦(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Alvi, let him complete first.â€¦ (*Interruptions*)

डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष जी, यह स्पीकर साहब तय करते हैं कि पहले किसका नम्बर आये, किसका नहीं आये। वे जिसे बुलाना चाहें उसे बुलाएं। â€¦ (व्यवधान) उस दिन क्या हुआ क्या नहीं हुआ, उसके अंदर जाएंगे तो काफी कड़वाहट पैदा होगी।â€¦ (व्यवधान)

श्री राशिद अलवी : बोलने से पहले इन्हें माफी मांगनी चाहिएâ€¦ (व्यवधान) जो कुछ उस दिन हुआ, उसके लिए पहले इन्हें माफी मांगनी चाहिए और ये अभी तक कड़वाहट की बात कर रहे हैं। â€¦ (व्यवधान) जब तक ये माफी नहीं मांगे इन्हें बोलने की इजाजत नहीं दी जाए।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष जी, स्पीकर साहब के सामने हम अपना पाइंट रख देंगे कि सप्ताह के पांचों दिन विपक्ष ही अपनी बात उठाएगा या हम भी उठाएंगे। â€¦ (व्यवधान) स्पीकर साहब के यहां फैसला हो जाए, हमें कोई आपत्ति नहीं है।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : उपाध्यक्ष जी, उस दिन जो कुछ हुआ, उसके लिए इन्हें माफी मांगनी चाहिएâ€¦ (व्यवधान) माननीय सदस्य का वक्तव्य गैर-जिम्मेदाराना है।â€¦ (व्यवधान)